भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2716
04 अगस्त, 2026 को उत्तर के लिए

इस्पात निर्यात और प्रतिस्पर्धा

2716. **सुश्री प्रणिती सुशीलकुमार शिंदेः**

क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत के इस्पात निर्यात की कुल मात्रा और मूल्य के साथ-साथ प्रमुख निर्यात-संबंधी देशों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव, व्यापारिक बाधाओं, उच्च इनपुट लागतों और अन्य निर्यातक देशों से प्रतिस्पर्धा सहित इस्पात निर्यात को प्रभावित करने वाली विभिन्न प्रमुख चुनौतियों की पहचान की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) नीतिगत सहायता, गुणवत्ता मानकों और लॉजिस्टिक्स में सुधार सहित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारतीय इस्पात की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का इस्पात निर्यात को बढ़ावा देने, बाजार में विविधता लाने और वैश्विक इस्पात व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए किसी अतिरिक्त पहल का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (घ): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रमुख गंतव्य देशों सहित भारत से निर्यात किए गए तैयार इस्पात की मात्रा और मूल्य का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नानुसार है:-

तैयार इस्पात का देश-वार निर्यात

मात्रा ('000 टन में), मूल्य (करोड़ रुपये में)

देश	2023-24		2024-25		2025-26		अप्रैल-जून 2026-27*	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
इटली	1,672	11,210	708	5,689	1,069	6,883	92	908
वियतनाम	343	1,782	11	213	772	3,512	247	1,335
बेल्जियम	840	6,091	544	4,079	721	4,973	126	1,011

जारी...2/-

यूएई	519	3,983	489	3,764	486	3,346	249	1,536
स्पेन	689	4,780	416	2,799	483	3,151	75	619
नेपाल	559	2,954	536	2,530	428	2,083	116	644
ताइवान	57	437	31	297	376	1,945	101	599
यूएसए	95	1,924	165	2,629	180	2,474	45	667
यू.के.	326	2,098	331	1,834	137	976	82	592
डेनमार्क	136	889	117	726	103	672	25	184
अन्य	**2,249**	**23,008**	**1,510**	**16,025**	**1,847**	**18,572**	**434**	**4,381**
कुल	**7,487**	**59,157**	**4,858**	**40,585**	**6,602**	**48,585**	**1,593**	**12,475**

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम

इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार देश में इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए एक अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। इस्पात कंपनियों द्वारा आयात और निर्यात के संबंध में निर्णय प्रौद्यो-वाणिज्यिक विश्लेषण और बाजार की गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं।

****